न्यूज़ टुडे

सुप्रीम कोर्ट के अनुसार भारत में बिटकॉइन (क्रिप्टोकरेंसी) ट्रेडिंग हवाला के आधुनिक तरीके के समान है

यह टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट द्वारा एक जमानत याचिका की सुनवाई के दौरान की गई है। साथ ही, सुप्रीम कोर्ट ने **आभासी मुद्रा को विनियमित करने के लिए स्पष्ट व्यवस्था के अभाव** को भी उजागर किया है।

क्रिप्टोकरेंसी और हवाला के बारे में

- **क्रिप्टोकरेंसी:** यह **ब्लॉकचेन तकनीक पर आधारित डिजिटल मुद्रा** का एक प्रकार है। इसके लिए विशिष्ट **सॉफ्टवेयर कोड** का उपयोग किया जाता है। उदाहरण के लिए- **बिटकॉइन, एथेरियम, आदि।**
  - ब्लॉकचेन एक **ओपन सोर्स डाटाबेस** (सार्वजनिक बहीखाता) है। यह विकेन्द्रीकृत कंप्यूटर नेटवर्क/ इंटरनेट पर वितरित रहता है और पक्षों के बीच लेन-देन का **स्थायी रिकॉर्ड** रखता है।
  - **मुख्य विशेषताएं:** यह सरकार/ केंद्रीय बैंक के विनियमन से परे संचालित होने वाली एक **नॉन-फिएट मनी** है और इसका **कोई आंतरिक मूल्य भी नहीं** होता है, आदि।
- **हवाला:** इसमें अनौपचारिक तरीकों का उपयोग करके सेवा प्रदाताओं (हवालादार) की मदद से धन को एक स्थान से दूसरे स्थान पर हस्तांतरित किया जाता है। इसमें लेन-देन की प्रकृति पर ध्यान नहीं दिया जाता।
  - **मुख्य विशेषताएं: यह संबंधित पक्षों के बीच विश्वास** पर आधारित है। इसके तहत **नकदी को एक स्थान से दूसरे स्थान पर नहीं भेजा** जाता है, क्योंकि हवालादार आपस में ही अपनी उधारी को चुकता कर लेते हैं।
- **हवाला और क्रिप्टोकरेंसी के बीच गठजोड़:** ब्लॉकचेन में, **नोड्स को हवालादार** के रूप में देखा जा सकता है, जो आपसी विश्वास/ सहमति के माध्यम से नेटवर्क को बनाए रखते हैं।

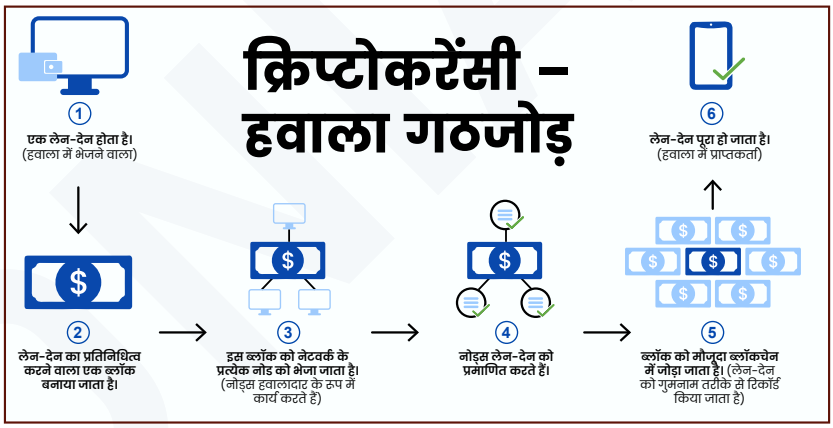

हवाला और क्रिप्टोकरेंसी के बीच बढ़ते गठजोड़ के लिए जिम्मेदार कारक

- **पारंपरिक बैंकिंग प्रणाली के बाहर:** दोनों ही अविनियमित हैं और आधिकारिक रूप से रिपोर्ट नहीं किए जाते हैं। इससे ये दोनों गैर-कानूनी गतिविधियों के लिए अधिक संवेदनशील हो जाते हैं।
- **सस्ता:** इन दोनों के मामले में कोई **प्रोहिबिटिव कमीशन और मुद्रा विनिमय शुल्क नहीं** लगता है।
- **पारदर्शिता का अभाव:** क्रिप्टोकरेंसी में लेन-देन **सार्वजनिक खाताबही में गुमनाम** रूप से दर्ज किया जाता है, जबकि हवाला में यह **बिना किसी कागजी कार्रवाई के नकद** में किया जाता है।
- **विशिष्ट पासकोड/ एन्क्रिप्शन की:** क्रिप्टोकरेंसी में **एन्क्रिप्शन की** का उपयोग किया जाता है, जबकि हवाला कारोबारी आपस में साझा किए गए **पासकोड** का उपयोग करते हैं।

केंद्र ने सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए "कैशलेस उपचार योजना, 2025" को अधिसूचित किया

यह योजना **मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के आधार पर सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH)** द्वारा शुरू की गई है।

योजना के प्रमुख प्रावधान

- **पात्रता:** यह योजना **ऐसी सड़क दुर्घटना के पीड़ित किसी भी व्यक्ति के लिए है, जो मोटर वाहन के उपयोग से संबंधित सड़क** पर हुई हो।
- **कवरेज: पीड़ित दुर्घटना की तारीख से अधिकतम 7 दिनों की अवधि के लिए नामित अस्पतालों में 1.5 लाख रुपये तक के कैशलेस उपचार** हेतु पात्र हैं।
- **नोडल एजेंसी:** राज्य सड़क सुरक्षा परिषद।
- **नामित अस्पताल:** राज्यों को आयुष्मान भारत-प्रधान मंत्री जन आरोग्य योजना के तहत सूचीबद्ध किए गए अस्पतालों सहित उन सभी सक्षम अस्पतालों को इस योजना में शामिल करना होगा, जो ट्रॉमा और पॉलि-ट्रॉमा देखभाल प्रदान करते हैं।
- **अस्पतालों को भुगतान:** अस्पताल दावे कर सकते हैं, जिनका सत्यापन **राज्य स्वास्थ्य एजेंसी** द्वारा किया जाएगा तथा **10 दिनों के भीतर मोटर वाहन दुर्घटना निधि** से भुगतान किया जाएगा।
- **योजना की निगरानी हेतु तंत्र:** यह कार्य केंद्रीय **सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सचिव की अध्यक्षता वाली एक समिति** द्वारा किया जायेगा।

सड़क सुरक्षा में सुधार के लिए भारत द्वारा किए गए अन्य उपाय

- **सख्त प्रवर्तन:** मोटर वाहन (संशोधन) अधिनियम, 2019 में यातायात के उल्लंघन के लिए सख्त दंड लागू किए गए हैं और नियमों को लागू करने हेतु प्रौद्योगिकी का उपयोग भी किया जा रहा है।
- **सड़क सुरक्षा ऑडिट:** सभी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के लिए डिजाइन, निर्माण और रखरखाव के स्तर पर ऑडिट को अनिवार्य किया गया है।
- **इलेक्ट्रॉनिक विस्तृत दुर्घटना रिपोर्ट (ई-DAR) परियोजना:** यह सड़क दुर्घटनाओं संबंधी आंकड़ों का एक केंद्रीय भंडार स्थापित करती है।
- **नेक व्यक्तियों (Good Samaritan) को पुरस्कार प्रदान करने की योजना:** ये ऐसे लोग होते हैं, जो **तत्काल सहायता प्रदान करके और गोल्डन ऑवर (गंभीर चोट के बाद पहले 60 मिनट)** के भीतर पीड़ितों को अस्पताल पहुंचाकर उनकी जान बचाते हैं।

भारत में सड़क सुरक्षा उपायों को लागू करने का महत्त्व

- **सड़क दुर्घटना की स्थिति:** 2022 में कुल लगभग **4.6 लाख सड़क दुर्घटनाएं** हुई थीं, जिनके परिणामस्वरूप लगभग **1.68 लाख लोगों की मौतें** हुई।
  - भारत में सड़क दुर्घटनाओं की दर **दुनिया में सबसे ज्यादा** है।
- **अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धता को पूरा करना:** संयुक्त राष्ट्र सड़क सुरक्षा कार्रवाई दशक का लक्ष्य **2030 तक सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को आधा** करना है।

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) ने 'मानव विकास रिपोर्ट, 2025' जारी की

यह रिपोर्ट **'ए मैटर ऑफ चॉइस: पीपल एंड पॉसिबिलिटीज इन द एज ऑफ एआई'** शीर्षक से जारी की गई है। रिपोर्ट का यह शीर्षक रेखांकित करता है कि **आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) मानव विकास के अगले चरण को दिशा देने** में कितनी अहम भूमिका निभा रहा है।

रिपोर्ट के मुख्य बिंदुओं पर एक नजर:

- **भारत की मानव विकास सूचकांक (HDI) रैंकिंग:** मानव विकास रिपोर्ट, 2025 में विश्व के **193 देशों में भारत 130वें स्थान** पर है। पिछली रिपोर्ट की तुलना में **भारत की रैंकिंग में तीन स्थानों का सुधार** हुआ है।
  - भारत अभी भी **"मध्यम मानव विकास"** वाले देशों की श्रेणी में बना हुआ है। भारत का **HDI स्कोर 0.685** है।
  - **मानव विकास सूचकांक (HDI)** एक समग्र सूचकांक है, जो मानव विकास के **तीन मूलभूत आयामों** में औसत उपलब्धि को मापता है।
    - ये आयाम हैं- **दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन; ज्ञान (नॉलेज) और सम्मानजनक जीवन स्तर।**
- **जीवन प्रत्याशा:** भारत में **जीवन प्रत्याशा 2023 में बढ़कर 72 वर्ष** हो गई। HDI गणना की शुरुआत के बाद से भारत में यह सबसे अधिक जीवन प्रत्याशा है।
- **शिक्षा:** भारत में **स्कूली शिक्षा में व्यतीत की गई औसत अवधि अब 13 वर्ष** है। 1990 में यह **अवधि 8.2 वर्ष** थी।
- **प्रगति के बावजूद चुनौतियां**
  - **राष्ट्रीय आय:** विश्व में भारत की **प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय (GNI) रैंकिंग**, HDI रैंकिंग से **सात स्थान नीचे** है।
  - **असमानता:** पुरुषों एवं महिलाओं के बीच असमानताएं (Gender disparities) अब भी अधिक हैं। उदाहरण के लिए- **लैंगिक असमानता सूचकांक (GII) में भारत की रैंकिंग 102वीं** है।
    - भारत की निम्न रैंकिंग **प्रजनन स्वास्थ्य-देखभाल व्यवस्था अच्छी नहीं होने, राजनीतिक व्यवस्था में महिलाओं का कम प्रतिनिधित्व और कार्यबल में महिलाओं की कम भागीदारी** का संकेत देती है।
- **मानव विकास की वैश्विक स्थिति:**
  - वैश्विक स्तर पर **मानव विकास की प्रगति 1990 के बाद से सबसे धीमी** रही है।
  - **निम्न और अत्यंत उच्च HDI रैंकिंग वाले देशों के बीच असमानता लगातार चौथे वर्ष बढ़ी** है।

मानव विकास रिपोर्ट 2025 में AI से जुड़े मुख्य बिंदु

- **भारत का AI परिदृश्य: मुख्य बिंदु**
  - **AI कौशल का विस्तार:** भारत में **खुद से रिपोर्ट किए गए AI कौशल का विस्तार** वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक है।
  - **वैश्विक AI सूचकांक:** वैश्विक AI सूचकांक में **36 देशों का मूल्यांकन** किया गया। इसमें **भारत चौथे स्थान** पर है। इस तरह भारत इस सूचकांक में **शीर्ष 10 में शामिल एकमात्र निम्न-मध्यम आय** वाला देश है।
  - **प्रतिभा पलायन को रोकना:** भारत के **20% AI शोधकर्ता अब देश में ही कार्यरत** हैं। 2019 में यह अनुपात लगभग शून्य था।
- **AI के वैश्विक प्रभाव की अपेक्षाएं:** AI की वजह से **रोजगार की क्षमता और उत्पादकता में वृद्धि (ऑग्मेंटेशन)** होगी, साथ ही **ऑटोमेशन में भी वृद्धि** होगी।
  - सर्वे में शामिल **61% लोगों** ने कहा कि AI से **रोजगार की क्षमता और उत्पादकता में वृद्धि** होगी, जबकि जबकि **51% लोगों ने ऑटोमेशन में वृद्धि की बात स्वीकार** की है।

एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में भारत और यूनाइटेड किंगडम ने सफलतापूर्वक मुक्त व्यापार समझौता (FTA) संपन्न किया

यह एक **व्यापक** समझौता है, जो लगभग **3 वर्षों की लंबी वार्ता प्रक्रिया** के बाद संपन्न हुआ है।

भारत-यूनाइटेड किंगडम FTA की मुख्य विशेषताओं पर एक नजर

- **टैरिफ का उन्मूलन:** भारत को लगभग **99 प्रतिशत टैरिफ लाइन्स पर टैरिफ उन्मूलन** से लाभ होगा, यह लगभग **100 प्रतिशत व्यापार मूल्य** को कवर करेगा।
  - वर्तमान में, दोनों देशों के मध्य द्विपक्षीय व्यापार लगभग **60 बिलियन अमरीकी डॉलर** है।
- **पेशेवरों के आवागमन को आसान बनाना:** इसमें निवेशक, राइट टू वर्क के साथ किसी एक देश से दूसरे देश में ट्रांसफर होने वाला कंपनी का कर्मचारी और उसके जीवन-साथी एवं आश्रित बच्चे, इंडिपेंडेंट प्रोफेशनल्स आदि शामिल हैं।
- **दोहरा अंशदान अभिसमय:** यूनाइटेड किंगडम में अस्थायी रूप से कार्यरत भारतीय श्रमिकों और उनके नियोक्ताओं को **तीन वर्षों तक यूनाइटेड किंगडम में सामाजिक सुरक्षा अंशदान के भुगतान से छूट** प्रदान की गई है।
- **प्रतिभाशाली और कुशल युवाओं के लिए अवसर:** इससे **यूनाइटेड किंगडम की डिजिटल रूप से वितरित सेवाओं एवं उन्नत डिजिटल अवसंरचना** से लाभ मिलेगा।
- **निर्यात के अवसर:** वस्त्र, समुद्री उत्पाद, चमड़ा, जूते, इंजीनियरिंग गुड्स, ऑटो पार्ट्स, जैविक रसायन जैसे क्षेत्रकों के लिए निर्यात के अवसर बढ़ने से उनकी **प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि** होगी।
- **सेवाओं का लाभ:** जैसे IT/ ITeS, वित्तीय सेवाएं आदि **नए अवसर और रोजगार** प्रदान करेंगे।
- **अन्य:** गैर-टैरिफ बाधाओं को दूर करना, बेहतर विनियामकीय पद्धतियों को बढ़ावा देना आदि।

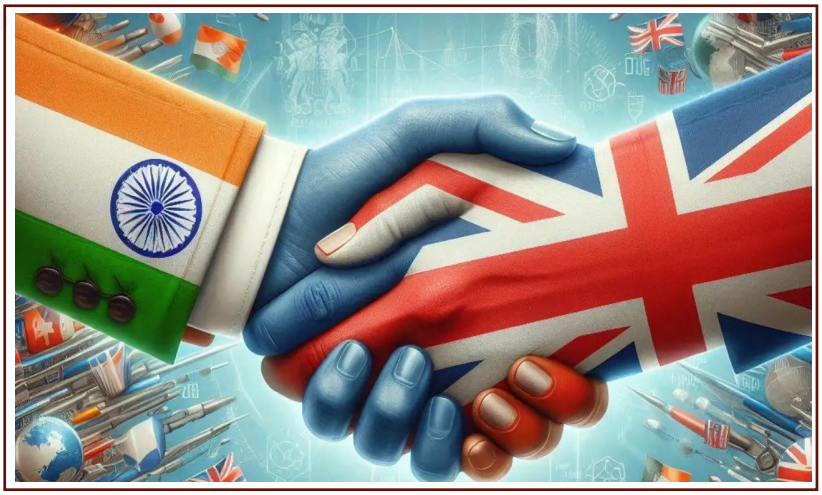

मुक्त व्यापार समझौते (FTA) के बारे में

- **अर्थ:** यह एक ऐसा समझौता है, जो **देशों या क्षेत्रीय समूहों के बीच व्यापार बाधाओं को कम या समाप्त करता है और व्यापार को बढ़ावा** देता है।
- वर्तमान में भारत के **जापान, दक्षिण कोरिया, श्रीलंका, सिंगापुर, ASEAN, मलेशिया** आदि देशों के साथ FTAs हैं।
- **दायरा:** यह आमतौर पर वस्तुओं एवं सेवाओं के व्यापार को कवर करता है, लेकिन इसमें बौद्धिक संपदा अधिकार (IP), निवेश, सरकारी खरीद और प्रतिस्पर्धा नीति जैसे विषय भी शामिल हो सकते हैं।

इसरो गगनयान मिशन को 2027 की पहली तिमाही में लॉन्च करेगा

टेस्ट व्हीकल एबॉर्ट मिशन-1 (TV-D1) और पहले मानवरहित टेस्ट व्हीकल एबॉर्ट मिशन की सफल समाप्ति ने आगामी परीक्षण कार्यक्रम के लिए मजबूत आधार तैयार किया है।

- दूसरा **टेस्ट व्हीकल मिशन (TV-D2)** इसके बाद होगा, और फिर **मानवरहित ऑर्बिटल उड़ानें** होंगी।
- पहले मानवरहित मिशन पर **महिला रोबोट 'व्योममित्र' (गाइनॉयड)** को भेजा जाएगा।

गगनयान मिशन के बारे में

- **उद्देश्य:** गगनयान परियोजना का उद्देश्य **मानवयुक्त अंतरिक्ष-उड़ान क्षमता** का प्रदर्शन करना है। इस मिशन के तहत **3 सदस्यों के चालक दल को 400 कि.मी. की ऊंचाई** पर स्थित **निम्न भू-कक्षा** में भेजा जाएगा। इस मिशन की **अवधि 3 दिन** है। उन्हें **सुरक्षित रूप से समुद्र में वापस** उतारा जाएगा।
- **गगनयान मिशन के घटक**
  - **प्रक्षेपण यान मार्क-3 (LVM-3):** पहले इसे **भूतुल्यकालिक प्रक्षेपण यान-मार्क III या GSLV-MK3** कहा जाता था। यह **तीन चरणों वाला प्रक्षेपण यान** है। ये तीन चरण हैं:
    - **पहला चरण:** दो ठोस ईंधन बूस्टर कोर रॉकेट से जुड़े होते हैं।
    - **दूसरा चरण:** इसमें **दो विकास-2 तरल ईंधन इंजन** होते हैं।
    - **तीसरा चरण:** इसमें **CE-20 क्रायोजेनिक इंजन** होता है, जो **ईंधन और ऑक्सीडाइज़र** के रूप में क्रमशः **तरल हाइड्रोजन एवं तरल ऑक्सीजन** का उपयोग करता है।
  - **ऑर्बिटल मॉड्यूल:** इसका वजन **8.2 टन** है और इसे **LVM-3 रॉकेट द्वारा निम्न भू-कक्षा** में लॉन्च किया जाता है। इसमें **दो मुख्य भाग होते हैं:**

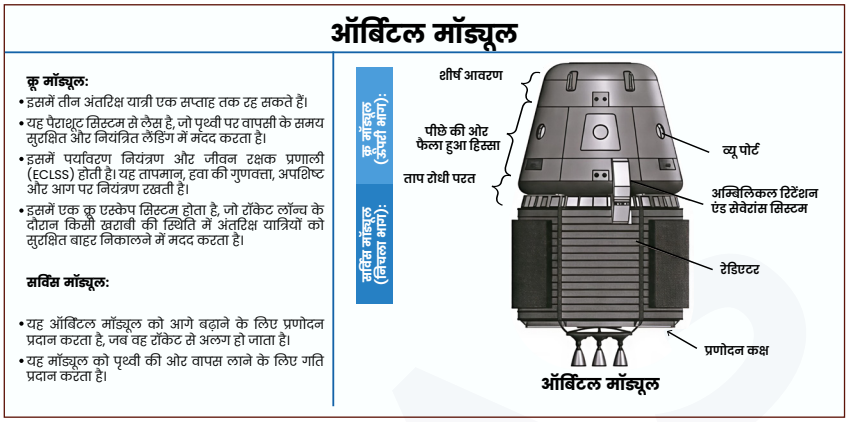

अन्य सुर्ख़ियां

अल्कट्राज द्वीप

हाल ही में, संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति ने कुख्यात **अल्कट्राज जेल का पुनर्निर्माण करने और उसे फिर से खोलने** का निर्देश दिया है।

- इस जेल को अब फिर से **खतरनाक और हिंसक अपराधियों को रखने** के लिए उपयोग में लाया जाएगा। यह जेल **अल्कट्राज द्वीप** पर स्थित है।

अल्कट्राज द्वीप के बारे में

- **अवस्थिति:** यह **कैलिफोर्निया की सैन फ्रांसिस्को की खाड़ी** में (संयुक्त राज्य अमेरिका) स्थित है।
- **विशेषताएं:** यह एक **लघु निर्जन द्वीप** है, जिसे आमतौर पर **"द रॉक" (The Rock)** कहा जाता है। पहले इसे एक किले के रूप में इस्तेमाल किया जाता था। बाद में इसे **मिलिट्री जेल, और फिर उच्च सुरक्षा वाली संघीय जेल** के रूप में उपयोग किया गया।
  - यह द्वीप **कोरमोरेंट्स, वेस्टर्न गुल जैसे समुद्री पक्षियों** तथा कई अन्य जीव-जंतुओं जैसे कि **डियर माउस, स्लेंडर सैलामैंडर** जैसी प्रजातियों का प्राकृतिक पर्यावास भी है।
  - वर्तमान में यह एक **लोकप्रिय पर्यटक स्थल है और इसे राष्ट्रीय ऐतिहासिक स्थल** के रूप में मान्यता प्राप्त है।

मल्टी-इन्फ्लुएंस ग्राउंड माइन (MGM)

भारतीय नौसेना तथा रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) ने स्वदेशी रूप से विकसित मल्टी-इन्फ्लुएंस ग्राउंड माइन (MGM) का सफल परीक्षण किया।

मल्टी-इन्फ्लुएंस ग्राउंड माइन (MGM) के बारे में

- यह एक **अत्याधुनिक अंडरवाटर नौसैनिक माइन** है। इसे शत्रुओं के **आधुनिक स्टील्थ पोतों और पनडुब्बियों की पहचान करने की भारतीय नौसेना** की क्षमताओं को मजबूत करने के लिए विकसित किया गया है।
- इसे DRDO के तहत **नेवल साइंस एंड टेक्नोलॉजिकल लेबोरेटरी (NSTL)** ने डिजाइन और विकसित किया है।
- **मुख्य विशेषताएं:**
  - यह कई प्रकार के सेंसर्स का उपयोग करके दुश्मन के समुद्री जहाजों से निकलने वाले **ध्वनिक (acoustic), चुम्बकीय (magnetic), और दबाव (pressure) संकेतों** का पता लगाती है।
  - इसमें **प्रोसेसर युक्त इलेक्ट्रॉनिक्स** लगे हैं, जो डेटा को प्रोसेस करके उचित करवाई करते हैं।
  - इसे **जहाजों और पनडुब्बियों से तैनात** किया जा सकता है।

पीजोइलेक्ट्रिक (Piezoelectric)

शोधकर्ताओं ने एक किफायती, धातु-रहित व छिद्रित (porous) **कार्बनिक उत्प्रेरक** विकसित किया है, जो **प्रभावी तरीके से हाइड्रोजन (H2) उत्पादन में सहायक** है।

- यह उत्प्रेरक **यांत्रिक ऊर्जा का पीजो-कैटालिसिस (piezocatalysis)** के माध्यम से उपयोग करता है। इसमें पीजोइलेक्ट्रिक पदार्थ **जल के अणुओं को अलग-अलग करने के लिए (water splitting) चार्ज कैरियर्स** उत्पन्न करते हैं।

पीजोइलेक्ट्रिक प्रभाव (Piezoelectric Effect) के बारे में:

- पीजोइलेक्ट्रिक प्रभाव वह क्षमता है, जिसके द्वारा कुछ विशेष पदार्थ **यांत्रिक दबाव (mechanical stress) के खिलाफ प्रतिक्रिया में विद्युत आवेश** उत्पन्न करते हैं।
- **"Piezoelectric" शब्दावली यूनानी शब्द "piezo"** से ली गई है, जिसका अर्थ है **"धक्का देना" या "दबाव डालना"।**
- **प्रत्यावर्ती (Reversible) प्रकृति:** यह प्रभाव दो-तरफा (reversible) होता है: जो पदार्थ यांत्रिक दबाव पर विद्युत उत्पन्न करते हैं, वे विद्युत क्षेत्र के संपर्क में आने पर यांत्रिक तनाव भी उत्पन्न करते हैं।
- **पीजोइलेक्ट्रिक पदार्थ:** बर्लिनाइट, गन्ने से उत्पादित चीनी, क्वार्ट्ज, रोशेल लवण, टोपाज, और हड्डी।

ग्लोबल नेटवर्क ऑफ एज-फ्रेंडली सिटीज एंड कम्युनिटीज (GNAFCC)

कोझिकोड शहर को विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के **ग्लोबल नेटवर्क ऑफ एज-फ्रेंडली सिटीज एंड कम्युनिटीज (GNAFCC)** की सदस्यता से सम्मानित किया गया है।

GNAFCC के बारे में:

- **स्थापना:** 2010 में।
- **सदस्य:** 51 देशों के 1300 सदस्य शहर और समुदाय।
- **लक्ष्य:** विश्व भर के **शहरों, समुदायों और संगठनों को जोड़ना,** ताकि वरिष्ठ नागरिकों के लिए रहने योग्य समाज विकसित किया जा सके।
- **मुख्य उद्देश्य:**
  - प्रेरणा देना, यह दर्शाकर कि क्या किया जा सकता है और कैसे किया जा सकता है।
  - दुनिया भर के शहरों और समुदायों को जोड़कर जानकारी, अनुभव एवं ज्ञान का आदान-प्रदान करना।
  - नवाचार पर आधारित और प्रमाणित समाधान खोजने में समुदायों की मदद करना।

वेसाक दिवस (Vesak Day)

वियतनाम में संयुक्त राष्ट्र-वेसाक दिवस 2025 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर, **भारत ने भगवान बुद्ध की शिक्षाओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता** दोहराई।

वेसाक दिवस के बारे में

- **वेसाक को बुद्ध पूर्णिमा** के नाम से भी जाना जाता है। यह **मई महीने में पूर्णिमा** को मनाया जाता है।
- यह दुनियाभर के **करोड़ों बौद्धों के लिए सबसे पवित्र दिवस** माना जाता है।
- **महत्त्व:** वेसाक दिवस **गौतम बुद्ध से जुड़ी तीन प्रमुख घटनाओं की स्मृति** में मनाया जाता है, जो **सभी एक ही दिन घटित हुई थीं। ये तीन घटनाएं निम्नलिखित हैं:**
  - **भगवान बुद्ध का जन्म:** 563 ईसा पूर्व,
  - **ज्ञान प्राप्ति यानी निर्वाण; तथा**
  - **महापरिनिर्वाण:** 483 ईसा पूर्व में 80 वर्ष की आयु में
- **वर्ष 1999** में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने बौद्ध धर्म को सम्मानित करने के लिए **वेसाक दिवस को अंतर्राष्ट्रीय दिवस के रूप में मान्यता** दी थी।

त्रिशूर पूरम उत्सव

केरल के वडक्कुनाथन मंदिर में त्रिशूर पूरम उत्सव की शुरुआत हुई।

- वडक्कुनाथन एक **शिव मंदिर** है। इसे **2015** में सांस्कृतिक विरासत संरक्षण के लिए **यूनेस्को एशिया-प्रशांत विरासत पुरस्कार** से सम्मानित किया गया था।

त्रिशूर पूरम उत्सव के बारे में

- यह फसल कटाई के उपरांत मनाया जाने वाला त्यौहार है। यह त्यौहार त्रिशूर में **मलयाली महीने 'मेडम' (अप्रैल/मई) में आयोजित** किया जाता है।
- इसे **'सभी पूरमों की जननी'** माना जाता है।
- यह देवी-देवताओं का एक **भव्य समागम** है, जिसमें वे **सजे-संवरे हाथियों** के साथ **वडक्कुनाथन मंदिर** के प्रांगण में आते हैं। इस शोभायात्रा के साथ **चेंदा मेलम और पंचवाद्यम** जैसे पारंपरिक वाद्य यंत्रों की **शानदार संगीत प्रस्तुति** होती है।

साओला

हाल ही में, अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिकों की एक टीम ने साओला के जीनोम का मानचित्रण किया है। साओला को **"एशियाई यूनिकॉर्न"** भी कहा जाता है।

साओला के बारे में

- **पर्यावास और वितरण:** साओला मुख्य रूप से **वियतनाम और लाओस की सीमा पर स्थित अन्नामाइट पहाड़ियों के कोहरे से ढके सदाबहार जंगलों** में पाया जाता है।
- **विशेषताएं:** नर और मादा दोनों में लगभग **20 इंच लंबे दो समांतर, नुकीले सींग** होते हैं। यह जीव **मवेशियों का निकट संबंधी है और हिरण जैसा दिखाई** देता है।
  - चेहरे पर **सफेद निशान और नाक के पास बड़ी ग्रंथियां** होती हैं, जिनका उपयोग संभवतः अपना **क्षेत्र चिह्नित करने या साथी आकर्षित** करने के लिए किया जाता है।
- **संरक्षण स्थिति:** IUCN (क्रिटिकली एंडेंजर्ड)।

भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार (NAI)

NAI ने ऐतिहासिक दस्तावेजों के 10 करोड़ से अधिक पृष्ठों का डिजिटलीकरण किया।

NAI के बारे में

- **उत्पत्ति: 1891 में कोलकाता** (तब कलकत्ता) में **इम्पीरियल रिकॉर्ड्स डिपार्टमेंट** के रूप में हुई थी।
- **मंत्रालय:** यह **संस्कृति मंत्रालय** का एक संलग्न कार्यालय है।
- **वर्तमान स्थान: नई दिल्ली;** एक क्षेत्रीय कार्यालय: **भोपाल;** तथा तीन अभिलेख केंद्र: **भुवनेश्वर, जयपुर और पुडुचेरी)।**
- **उद्देश्य:** सार्वजनिक रिकार्ड्स, निजी कागजात, प्राच्य रिकार्ड्स, कार्टोग्राफिक रिकार्ड्स और माइक्रोफिल्म आदि सहित महत्वपूर्ण दस्तावेजों का संरक्षण करना।
- **अध्यक्षता: महानिदेशक, जो लोक अभिलेख अधिनियम, 1993 और लोक अभिलेख नियम, 1997** के कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार होता है।

सुर्ख़ियों में रहे स्थल

मालदीव (राजधानी: माले) के बारे में

INS **शारदा** मानवीय सहायता और आपदा राहत (HADR) अभ्यास में भाग लेने के लिए मालदीव के **माफ़ीलाफ़ुशी** पहुंचा।

भौगोलिक अवस्थिति:

- **अवस्थिति:** मालदीव **हिंद महासागर** में स्थित एक उष्णकटिबंधीय राष्ट्र है। यह **26 कोरल एटोल्स** से बना है।
- इसका **उत्तरतम एटोल,** भारतीय मुख्य भूमि से **दक्षिण-दक्षिण-पश्चिम** दिशा में स्थित है।
- **आठ डिग्री चैनल:** यह **भारत के मिनिकॉय द्वीप और मालदीव** को अलग करता है।

भौगोलिक विशेषताएं:

- मालदीव **पूरी तरह से प्रवाल भित्तियों** से निर्मित है। यहां कोई नदी या पहाड़ नहीं है।
- **प्रवाल भित्तियां:** मालदीव में दुनिया की **सातवीं सबसे बड़ी प्रवाल भित्ति प्रणाली** है। यह वैश्विक भित्ति क्षेत्र का लगभग **3.14% हिस्सा** बनाती है।
- यहां के द्वीपों की औसत ऊंचाई **समुद्र तल से 1.7 मीटर से अधिक नहीं** है।